By:- Sunita Kumari
Dept. of History
J.N.C. Madhubani

औरंगजेब की धार्मिक नीति का आलोचनात्मक वर्णन करें। उसके क्या परिणाम हुए? (Describe the religious policy of Aurangzeb)

भारतीय इतिहास में जहाँ अकबर अपनी धार्मिक उदारता तथा सहिष्णुता के लिये विख्यात है, वहाँ औरंगजेब अपनी धार्मिक कट्टरता तथा असहिष्णुता के लिए विख्यात है। उसकी धार्मिक नीति इस्लामी आचार-विचारों पर आधारित थी। उसका व्यक्तिगत जीवन भी धार्मिकता से ओत-प्रोत था। वह धार्मिक कृत्यों का पूर्णतया पालन करता था। उसने विलासिता से अपने को दूर रखा और एक फकीर के समान जीवनयापन किया जिसके कारण वह जिन्दा पीर के नाम से विख्यात हुआ। सिंहासन पर बैठने पर बैठने पर उसने शरीयत के अनुसार शासन करने का निश्चय किया और निम्न कार्य किए:-

*1. करों को हटाना:- उसने जजिया, जकात, खिराज तथा खुम्स नामक चार करों को छोड़कर लगभग अन्य करों को बंद कर दिया।

*2. सिक्कों पर से कलमा हटाना:- उसने सिक्कोंपर कलमा खुदवाना बंद कर दिया, क्योंकि विधर्मियों के हाथ लग जाने से उसके अपवित्र होने का भय था।

*3. नौरोज पर प्रतिबन्ध:- उसने फारस के नौरोज उत्सव पर प्रतिबन्ध लगा दिया क्योंकि यह शरीयत के अनुसार न था।

*4. मादक वस्तुओं पर प्रतिबन्ध:- उसने शराब तथा भाँग के सेवन पर प्रतिबन्ध लगा दिया। भाँग की उपज बंद करा दिया

5. मुहतासिब की नियुक्ति:- उसने इस्लाम के प्रचार के लिए मुहतासिब नामक पदाधिकारी नियुक्त किए। उनका काम लोगों के नैतिक जीवन को ऊँचा उठाना तथा कुरान के नियम के अनुसार बनाना था।

6. संगीत पर प्रतिबन्ध:- 1668 ई० मे उसने संगीत पर प्रतिबन्ध लगा दिया। इस संबंध मे एक इतिहासकार लिखता है कि कुछ संगीतज्ञों ने बादशाह तक अपनी प्रार्थना पहुँचाने के लिए संगीत अर्थी का एक जुलूस निकाला।

7. झरोखा दर्शन पर प्रतिबन्ध:- 1668 ई० मे उसने झरोखा दर्शन की पद्धति को बन्द कर दिया।

8. मस्जिदों की मरम्मत- उसने टूटी हुई मस्जिदों की मरम्मत कराई।

9. वेश्यावृत्ति पर प्रतिबन्ध:- उसने वेश्यावृत्ति पर प्रतिबन्ध लगा दिए किन्तु उसके लिए कोई नियम न बनाया जा सका।

10. रेशमी कपड़ों पर प्रतिबन्ध:- उसने रेशमी व सुनहले के पहनने पर प्रतिबन्ध लगा दिया। वह स्वंय फकीरों की भाँति जीवन-यापन करता था।

हिन्दुओं के विरुद्ध कार्य:—

1. हिन्दुओं के मंदिरों को ध्वस्त करना:- औरंगजेब ने हिन्दुओं के मंदिरों को ध्वस्त करने की नीति अपनाई 1645 ई० मे जबकि वह गुजरात का सूबेदार था, चूड़ामणि के हिन्दू-मंदिर को ध्वस्त करवाकर उसके स्थान पर ~~मंदिर~~ मस्जिद का निर्माण करवाया। उसने अप्रैल 1669 ई० को यह आदेश जारी किया कि हिन्दुओं के सभी

मंदिरों को ध्वस्त कर दिया जाय। उसके इस आदेश के अनुसार सोमनाथ का दूसरा मंदिर, बनारस का विश्वनाथ मंदिर, मथुरा के केशवराय मंदिर आदि ध्वस्त कर दिये गये उसके स्थान पर मस्जिदों का निर्माण करवाया गया। उसने मथुरा का नाम बदलकर इस्लामाबाद रख दिया गया। गत 10-15 वर्षों में जिन मंदिरों का निर्माण हुआ था उनको भी ध्वस्त करा दिया।

*2. जजिया लगाना:- औरंगजेब ने जिस दिन मारवाड़ को मुगल साम्राज्य में मिलाया उसी दिन से उसने हिन्दुओं पर पुनः जजिया लगा दिया। हिन्दुओं को तीन श्रेणी में बाँटा गया। प्रथम श्रेणी के लोगों को 48 दरहम, दूसरे श्रेणी के लोगों को 24 दरहम और तीसरे श्रेणी के लोगों को 12 दरहम कर देना पड़ता था। समकालीन साहित्यकार मनूची के अनुसार ऐसे अनेक हिन्दू जो यह कर नहीं दे सकते थे इस कर के बदले कठोर दण्ड दिए जाने वाले अपमानों से छुटकारा पाने के लिए मुसलमान हो गये।"

*3. हिन्दुओं को सरकारी नौकरियों से पृथक करना:- 1671 ई० में औरंगजेब के आदेशानुसार हिन्दुओं को माल विभाग से अलग कर दिया गया और उनके स्थान पर मुसलमान नियुक्त किए गये।

*4. हिन्दुओं पर सामाजिक प्रतिबन्ध:- औरंगजेब ने हिन्दुओं पर अनेक प्रकार के प्रतिबन्ध लगा दिए जिनमें प्रमुख इस प्रकार है:-

(अ) राजपूतों के अतिरिक्त समस्त हिन्दुओं को हाथी, घोड़ो और पालकी पर चलने के आधिकार से